यीशु मसीह का सुसमाचार

यीशु मसीह का सुसमाचार क्या है ?

यीशु मसीह का सुसमाचार उसके बच्चों के लिए हमारे स्वर्गीय पिता के आनन्द और उद्धार की योजना है । इसे यीशु मसीह का सुसमाचार कहते हैं क्योंकि यीशु मसीह का प्रायश्चित इस योजना का केन्द्र है । उसकी योजना के अनुसार, हमारे स्वर्गीय पिता ने अपने पुत्र, यीशु मसीह, को संसार में हमें दर्शाने भेजा कि अर्थपूर्ण और आनन्दित जीवन कैसे जीएं, इस जीवन के बाद अनन्त जीवन का अनुभव कैसे करें । यीशु मसीह की कृपा और अनुग्रह के द्वारा, आप गुनाहों से शुद्ध और अन्तरात्मा की शान्ति में खुश होंगे । इस जीवन के बाद आप स्वर्गीय पिता की उपस्थिति में योग्य बनकर जीवन जी सकते हैं ।

इस शान्ति और बल को पाने के लिए, आपको सुसमाचार के नियमों और धर्मविधियों का पालन करना सीखना चाहिए । नियम एक सच्चाई है जिसे जीवन में लागू किया जा सकता है, धर्मविधि एक पवित्र, विधिपूर्वक किया गया कार्य है जिसे पौरोहित्य अधिकार द्वारा किया जाता है और अक्सर यह स्वर्गीय पिता के साथ एक अनुबन्ध में प्रवेश करने का माध्यम होता है । सुसमाचार का पहला नियम यीशु मसीह में विश्वास और पश्चाताप करना है । सुसमाचार की पहली धर्मविधि बपतिस्मा लेना और पवित्र आत्मा प्राप्त करना है ।

निम्न बातों के द्वारा आप यीशु मसीह के सुसमाचार को जी सकते हैं:

- *यीशु मसीह में विश्वास का विकास कर ।*
- *पश्चाताप कर ।*
- *बपतिस्मा ले कर और पवित्र आत्मा पा कर ।*
- *अन्त तक धीरज धर कर ।*

सुसमाचार के नियमों और धर्मविधियों का पालन करना सीखने के बाद, आप मसीह के उदाहरण को अपने पूरे जीवन में खोजकर अनुसरण करने का प्रयास करते हैं । इस निरंतर विश्वसनीयता को ''अन्त तक धीरज धरना'' कहते हैं ।

* लाल रंग से दिए गए शब्दों में दी गई परिभाषा पृष्ठ 18 और 19 पर है ।

यीशु मसीह के प्रायश्चित की शिक्षा उसके सुसमाचार का केन्द्र है ।

यीशु मसीह में विश्वास

विश्वास एक मजबूत भरोसा है जो व्यक्ति को कर्म करने के लिए प्रेरित करता है । जो विश्वास पापों की क्षमा की ओर ले जाता है वह यीशु मसीह में केन्द्रीत होता है, जिसके प्रायश्चित ने क्षमा करना मुमकिन किया है । यीशु मसीह में विश्वास यह एक कर्महीन भरोसे से अधिक है । इसका मतलब है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है और उसने हमारे पापों, कष्टों और रोगों के लिए दुख उठाया । इसका अर्थ है उस भरोसे पर काम करना । यीशु मसीह में विश्वास आपको उससे प्रेम करना, विश्वास करना, और उसकी आज्ञाओं का पालन करने की ओर ले जाता है ।

"तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना ।
"उसी को स्मरण कर के सब काम करना, तब वह तेरे लिये सीधा मार्ग निकालेगा ।"

नीतिवचन 3:5–6

पश्चाताप

यीशु मसीह में विश्वास आपको अच्छे के लिए अपने जीवन में बदलाव लाने में मार्गदर्शन करता है । जैसे आप सुसमाचार का अध्ययन करते हैं, आप पहचानने लगते हैं कि अपने पाप किए हैं, परमेश्वर की इच्छा और शिक्षा के विरोध में काम किए हैं । पश्चाताप के द्वारा, आप उन विचारों, अभिलाषाओं, आदतों, और कामों को बदलें जो परमेश्वर की शिक्षा के साथ मेल नहीं खाते हैं । वह वादा करता है कि जब आप पश्चाताप करते हैं, वह आपके पापों को क्षमा कर देगा । जब आप पश्चाताप करते है आपः

पहचानें कि अपने पाप किए और उनके लिये सच में दुख महसूस करते हैं जो कुछ आपने किया है ।

गलती करना **बंद करें**, और इसे फिर कभी न करने का प्रयास करें ।

प्रभु से अपने पापों का **अंगीकार करें** और उसके लिए क्षमा मांगें । ऐसा करने से भारी बोझ मुक्त होता है । यदि आपने दूसरे के विरूद्ध पाप किया है, आप उस व्यक्ति से क्षमा मांग सकते हैं ।

गलती सुधारना । आप उन समस्यों को सुधारने के सभी प्रयास कर सकते हैं जो आपके कार्यों के कारण उत्पन्न हुई हों ।

आज्ञाओं का पालन करना । परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने से आपके जीवन में सुसमाचार की शक्ति आती है । पापों को त्यागने में सुसमाचार आपको बल प्रदान करता है । आज्ञाओं का पालन करना जिसमें सेवा करना, दूसरों को क्षमा करना, और गिरजाघर सभाओं में जाना शामिल है ।

हम सभी गलतियां करते हैं । कभी कभी हम अपना स्वयं का नुकसान और दूसरों को गम्भीररूप से इस प्रकार जख्मी करते हैं जिसकी हम अकेले भरपाई नहीं कर सकते हैं । हम उन चीज़ो को तोड़ते हैं जिसकी हम अकेले मरम्मत नहीं कर सकते हैं । तब हम दोषी, लज्जित और कष्ट महसूस करते हैं, जिसका हम अकेले उपचार नहीं कर सकते हैं । प्रायश्चित की चंगाई की शक्ति उसका उपचार कर सकती है जिसकी हम मरम्मत नहीं कर सकते हैं ।

उद्धारकर्ता को स्वीकार करना । पश्चाताप का सबसे महत्वपूर्ण भाग यह स्वीकार करना है कि क्षमा यीशु मसीह से ही मिलती है । कभी कभी आपको लग सकता है कि परमेश्वर गम्भीर पापों को क्षमा नहीं करेंगे । परन्तु उद्धारकर्ता ने हमारे पापों के लिए कष्ट भोगे ताकि उन्हें हमारे पीछे रखा जा सके, यहां तक कि गम्भीर पाप भी । सच्चे पश्चाताप का परिणाम क्षमा, शान्ति, आराम, और खुशी है ।

पश्चाताप का मतलब हमेशा बड़े बदलाव करना नहीं होता है । अक्सर इसे साधरणरूप से परमेश्वर की इच्छा को जीने की अतिरिक्त वचनवद्धता की जरुरत होती है । सच्चा पश्चाताप हमेशा शीघ्र नहीं होता है; अपने आप में धैर्य रखें जब आप जो सही है उसे करने का प्रयास करते हैं और अपनी गलतियों को सुधारें । जैसे आप पश्चाताप करते हैं, आप हृदय परिवर्तन का एहसास करेंगे । आप फिर कभी गुनाह करने के इच्छुक नहीं होंगे । आप जानेंगे कि आप परमेश्वर के बच्चे हैं और आपको कभी भी वही गलतियां करने की जरूरत नहीं होगी । आपकी परमेश्वर का अनुसरण करने की इच्छा प्रबल और गहरी होती जाएगी ।

यीशु ने उन सभी को शान्ति दी जिन्होंने पश्चाताप किया ।

बपतिस्मा और पवित्र आत्मा

यीशु मसीह में विश्वास और पश्चाताप हमें बपतिस्मा और पवित्र आत्मा पाने का लिये तैयार करता है । यीशु मसीह ने सीखाया था कि पापों से क्षमा, या माफ़ी के लिए, प्रत्येक को पानी से और आत्मा (पवित्र आत्मा) से बपतिस्मा लेना चाहिए । जिस के पास पौरोहित्य अधिकार हो उस के द्वारा बपतिस्मा लेने और पवित्र आत्मा पाने से, आप आत्मिकरूप से दुबारा जन्म लेंगे ।

मुझे बपतिस्मा लेने की आवश्यकता क्यों है ?

बपतिस्मा ले कर यीशु मसीह ने हमारे लिए ''सब धार्मिकता को पूरा करना'' का उदाहरण दिया था (मत्ती 3:15) । जब आप बपतिस्मा लेंगे, आप अपने पापों की क्षमा पाएंगे (प्रेरितों के काम 2:38 देखें) । आप परमेश्वर के साथ अनुबन्ध, या वादा बनाते हैं: आप यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करने, उसका अनुसरण करने, और उसकी आज्ञाओं का पालन करने का वादा करते हैं । यदि आप अपना भाग करते हैं, आपका स्वर्गीय पिता आपके पापों को क्षमा करने का वादा करता है । जब आप उचित अधिकार द्वारा बपतिस्मा लेते हैं, आपके पाप धुल जाते है ।

''यीशु ने उत्तर दिया, मैं तुझ से सच सच कहता हूं, जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता ।''

यूहन्ना 3:5

बपतिस्मा में पानी में डुबकी लगना शामिल है । इसी तरह से यीशु मसीह ने बपतिस्मा लिया था । डुबकी लगाकर बपतिस्मा लेना मृत्यु दफन, और यीशु मसीह के पुनरुत्थान का एक पवित्र चिन्ह है; यह पुराने जीवन का अन्त और यीशु मसीह के अनुयाई के रूप में एक नये जीवन की शुरूआत दर्शाता है ।

मुझे पवित्र आत्मा लेने की आवश्यकता क्यों है ?

यद्यपि बपतिस्मा आपके पापों को धो देता है, पवित्र आत्मा आपको शुद्ध, या पवित्र करता है । यदि आप अपने बपतिस्मा अनुबन्धों के प्रति वफादार रहते हैं, आपके साथ पवित्र आत्मा हमेशा रह सकता है । सभी अच्छे लोग पवित्र आत्मा के प्रभाव को महसूस कर सकते हैं, परन्तु केवल उन्हीं के पास जीवन भर उसकी पवित्र आत्मा का निरंतर साथ पाने का अधिकार होता है जिन्होंने बपतिस्मा लिया हो और पवित्र आत्मा प्राप्त किया हो ।

यीशु मसीह ने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के द्वारा बपतिस्मा लिया था ।

पवित्र आत्मा आपकी सहायता सच को पहचाने में और समझने में करेगा । वह आपको आत्मिक बल और प्रेरणा प्रदान करेगा । वह आपको कठिन समयों में आराम और निर्णय लेने में मार्गदर्शन करता है । पवित्र आत्मा के द्वारा आप अपने जीवन में परमेश्वर के प्रेम और प्रभाव को प्रतिदिन महसूस कर सकते हैं ।

आप पवित्र आत्मा द्वारा सीखाए और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं । ''सहायक अर्थात पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैं ने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा ।''

यूहन्ना 14:26

इस दिव्य उपहार का आनन्द लेने की आपकी योग्यता क्षमता परमेश्वर की आज्ञाओं की आज्ञाकारिता पर आधारित होती है । पवित्र आत्मा उनके साथ नहीं रह सकता है जो परमेश्वर की शिक्षाओं के अनुसार नहीं जीते हैं । वह उसके मार्गदर्शन और प्रेरणा को पाने का अवसर खो देते हैं । हमेशा पवित्र आत्मा का साथ और निर्देशन पाने के लिए योग्य होने का प्रयास करें ।

पवित्र आत्मा आप बपतिस्मे के बाद प्राप्त करते हैं । उस धर्मविधि में जिसे पुष्टिकरण कहते हैं, एक या दो अधिकृत पौरोहित्य धारक आपके सिर पर हाथों को रखते हैं । वे आपको गिरजाघर का सदस्य होने की पुष्टि करते हैं और पवित्र आत्मा को पाने की आशीष देते हैं । यह धर्मविधि अकसर गिरजाघर में बपतिस्मा लेने के तुरन्त बाद होती है । जब आप का बपतिस्मा और पुष्टिकरण हो जाता है, आप अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य बन जाते हैं ।

* लाल रंग से दिए गए शब्दों में दी गई परिभाषा पृष्ठ 18 और 19 पर है ।

पवित्र आत्मा हाथों को रखने के द्वारा दिया जाता है ।

प्रभुभोज

बपतिस्मा लेने के बाद, आप प्रभुभोज में भाग ले कर प्रत्येक सप्ताह बपतिस्मा अनुबन्धों को नए सिरे से बना सकते हैं । प्रभुभोज सभा के दौरान, यीशु मसीह के प्रायश्चित की याद के रुप में रोटी और पानी को आशीषित करके कलीसिया में बांटा जाता है । रोटी उसके शरीर का प्रतिनिधित्व करता है, और पानी उसके खून का प्रतिनिधित्व करता है । जब आप बपतिस्मा के अनुबन्धों को नए सिरे से बनाते हैं, आपसे वादा किया जाता है कि आत्मा आपके साथ होगी, या पवित्र आत्मा, हमेशा आपके साथ रहेगा ।

प्रभुभोज आपको कृतज्ञता से यीशु मसीह के जीवन, सेवकाई, और प्रायशिचत को स्मरण करने में सहायता करता है ।

* लाल रंग से दिए गए शब्दों में दी गई परिभाषा पृष्ठ 18 और 19 पर है ।

प्रभुभोज हमें यीशु मसीह का स्मरण करने में मदद करता है ।

अन्त तक धीरज धरना

आप यीशु मसीह में विश्वास लाकर, पश्चाताप कर, और बपतिस्मा और पुष्टिकरण की धर्मविधियां करके अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य बन जाते हैं । गिरजाघर का सदस्य बनने के बाद, आप समझ में निरंतर बढ़ते जाएगें । आपका यीशु मसीह में निरंतर विश्वास, पश्चाताप, प्रभुभोज में शामिल होकर बपतिस्मा अनुबन्धों का नवीनीकरण, और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन का अनुसरण करते रहेंगे । सुसमाचार के ये प्रथम नियम और धर्मविधियां तमाम जीवनभर अनुसरण करने के लिए एक नमूना हैं । जीवनभर की इस वचनबद्धता को अक्सर ''अन्त तक धीरज धरना'' कहते हैं ।

अन्त तक धीरज धरना निर्देशन, शान्ति, और जीवन में आनन्द लाता है । आप यीशु मसीह के समान बनने की कोशिश की खुशी महसूस करते हैं जब आप उनकी सेवा और मदद करते हो जो आपके आसपास होते है । आप स्वर्गीय पिता के साथ अपने रिश्तों को अच्छी तरह से समझेंगे और उसके परिपूर्ण प्रेम को महसूस करेंगे । आप अक्सर दुखी और परेशान संसार में आशा और उद्देश्य की अनुभूति का एहसास करेंगे ।

यीशु मसीह का सुसमाचार

जीवन की राह है ।

“इस कारण तुम मसीह में दृढ़ विश्वास रखते हुए आशा की अखण्ड ज्योति में और परमेश्वर और सभी मनुष्यों से प्रेम रखते हुए, सदैव आगे बढ़ते रहना चाहिए । इसलिए, अगर तुम आगे बढ़ते रहे, मसीह का वाणी का प्याला पीते रहे, और अन्त तक सहनशील बने रहे, तब सुनो, पिता इस प्रकार कह रहा है: तुम्हें अनन्त जीवन मिलेगा ।”

2 नफी 31:20

मैं कैसे जान सकता/सकती हूं ?

यीशु मसीह के सुसमाचार की पुनस्थापना भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ और अन्य भविष्यवक्ताओं को परमेश्वर से प्रकटीकरण द्वारा हुई थी ।

प्रार्थना में अपने स्वर्गीय पिता से पूछकर आप स्वयं के लिए जान सकते है कि यह सब बातें सच हैं । वह आपको पवित्र आत्मा के द्वारा जवाब देगा, जिसे परमेश्वर की आत्मा कहते हैं । पवित्र आत्मा स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह की साक्षी, या गवाही देता है । पवित्र आत्मा सच्चाई की एहसासों, विचारों, और प्रभावों के द्वारा पुष्टि करता है । वे अनुभूतियां शक्तिशाली होती हैं जोकि पवित्र आत्मा के द्वारा आती हैं, परन्तु यह सामान्यरूप से गम्भीर और शान्त भी होती हैं । जैसे बाईबल ने सिखाया था, ''पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता [और] संयम हैं'' (गलातियों 5:22–23) ।

मैं कैसे प्रार्थना कर सकता/सकती हूं ?

- *अपने स्वर्गीय पिता को संबोधित करें ।*
- *अपने दिल के एहसासों को व्यक्त करें (आभार, प्रश्न, अनुरोध मॉरमन की पुस्तक की सच्चाई और प्रचारकों की शिक्षाओं की पुष्टि के लिए) ।*
- *समाप्त (''यीशु मसीह के नाम से, आमीन'') ।*

यह एहसास पवित्र आत्मा के द्वारा पुष्टि करता है कि यह संदेश सच है । तब आपको जरुरत चुनाव करने होगी कि आप यीशु मसीह का सुसमाचार जिसे जोसफ स्मिथ द्वारा पुन स्थापित किया गया था के साथ सामंजस्य में जीना है या नहीं ।

शब्दों की सूची

प्रायश्चित वह घटना जो हमें परमेश्वर के अनुकुल होने के योग्य बनाती है । प्रायश्चित करना पाप के लिए दण्ड भुगतना है, इस प्रकार पश्चाताप करने वाले पापियों से पाप के प्रभावों को हटना है । सारी मानवजाति के लिए परिपूर्ण प्रायश्चित करने के लिए यीशु मसीह ही एकमात्र योग्य व्यक्ति थे । उसके प्रायश्चित में शामिल है उसका हमारे पापों के लिए यातनाएं झेलना, उसका लहू बहना, और उसकी मृत्यु और पुनरूत्थान । प्रायश्चित के कारण, प्रत्येक जिन्होंने कभी जीवन जिया था पुनःजीवित होंगे । प्रायश्चित हमें हमारे पापों से क्षमा और परमेश्वर के साथ हमेशा रहने के लिए हमें एक रास्ता भी प्रदान करता है ।

बपतिस्मा पापों से क्षमा प्राप्त करना एक जरुरी कदम है । अधिकृत पौरोहित्य के द्वारा बपतिस्मा और पुष्टिकरण लेने से, हम अन्तिम-दिनों के सन्तों के यीशु मसीह के गिरजाघर के सदस्य बनाए जाते हैं । डूबोकर बपतिस्मा लेने, का मतलब है कि व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए पानी में डुबकी लगाकर बपतिस्मा लेता है । बपतिस्मा मसीह का अनुसरण करने और परमेश्वर के साथ अनुबंध बनाने की हमारी इच्छा को दिखाता है ।

पुष्टिकरण वह तरीका जिससे कोई व्यक्ति पवित्र आत्मा प्राप्त करता है । इस धर्मविधि में, जोकि बपतिस्मे के तुरन्त बाद अक्सर प्रभुभोज सभा में होती है, व्यक्ति की पुष्टि की जाती है, या उसे अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर का सदस्य बनाया जाता है ।

अनुबन्ध परमेश्वर और उसके बच्चों के बीच एक समझौता । परमेश्वर अनुबन्ध के लिए शर्तें देता है, और हम उसका पालन करना मंजूर करते हैं । परमेश्वर हमारी आज्ञाकारिता के लिए निश्चित आशीषों का वादा करता है ।

महिमा यीशु मसीह के प्रेम और कृपा के द्वारा दिव्य मदद और सर्माथ्य दी जाती है । उसकी महिमा के माध्यम से, उसके प्रायश्चित के द्वारा यह संभव हुआ कि संपूर्ण मानवजाति का पुनरूत्थान होगा । उसकी महिमा के द्वारा, जो कोई भी पश्ताताप लगातार करते रहेंगे और उसके सुसमाचार अनुसार जीएंगे वे जीवन में अन्त तक अपने स्वर्गीय पिता के नजदीकी को महसूस करेंगे और इस जीवन के बाद उसकी उपस्थिति में रहेंगे ।

धर्मविधि पौरोहित्य अधिकार द्वारा की जाने वाला एक औपचारिक पवित्र कार्य । उदाहरण में बपतिस्मा, पवित्र आत्मा को प्राप्त करना और, प्रभुभोज शामिल है । धर्मविधियां प्रायः परमेश्वर के साथ अनुबन्धों में प्रवेश करने का माध्यम होती हैं ।

प्रभुभोज धर्मविधि जोकि गिरजाघर के सदस्यों को यीशु मसीह के प्रायश्चित की याद दिलाती है । प्रभुभोज ले कर, हम बपतिस्मे के समय में बनाए अनुबन्धों का नवीनीकारण करते हैं । कलीसिया को रोटी और पानी आशीषित करके दिया जाता है । रोटी यीशु मसीह के शरीर का प्रतिनिधित्व करती है, और पानी उसके खून का । यह धर्मविधि प्रत्येक सप्ताह उपासना सभा में होती है जिसे प्रभुभोज सभा कहते हैं ।

उद्धार पाप और मृत्यु से मुक्ति । उद्धार यीशु मसीह के प्रायश्चित के द्वारा मुमकिन हुआ है । यीशु मसीह के पुनरुथान द्वारा, प्रत्येक मृत्यु के प्रभावों पर विजय पाएगा । हम अपने पापों के प्रभाव से यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा बचाए भी जा सकते है । यह विश्वास पश्चाताप के जीवन और मसीह के सुसमाचार और सेवा के नियमों और धर्मविधियों की आज्ञाकारिता में व्यक्त होता है ।

अतिरिक्त अध्ययन

निम्नलिखित प्रश्न और धर्मशास्त्र आपको इस छोटी पुस्तिका में दिए नियमों को और अधिक सीखने में और उन पर मनन करने में मदद करगें । यह सूची विस्तृत नहीं है; धर्मशास्त्रों में नीचे दी गई टीकाएं और संदर्भ आपको अतिरिक्त अंश और स्रोतों का हवाला देगें ।

यीशु मसीह का सुसमाचार क्या है ?

3 नफी 27:13–22 (मॉरमन की पुस्तक)

विश्वास करना इसका मतलब क्या है ?

विश्वास कैसे आपको शक्ति देता है ?

इब्रानियों 11:1, 6 (बाईबल, नया नियम)

अलमा 32:21, 26–28 (मॉरमन की पुस्तक)

एथर 12:6 (मॉरमन की पुस्तक)

पश्चाताप इसका मतलब क्या है ?

पश्चाताप करना क्यों सब के लिए जरुरी है ?

लूका 15:3–10 (बाईबल, नया नियम)

प्रेरित के काम 3:19 (बाईबल, नया नियम)

अलमा 12:33–34 (मॉरमन की पुस्तक)

सब का बपतिस्मा लेना जरुरी क्यों है?

लूका 2:38 (बाईबल, नया नियम)

2 नफी 31–32 (मॉरमन की पुस्तक)

पवित्र आत्मा क्या है?

पवित्र आत्मा कैसे आपके जीवन को आशीषित करता है ?

2 नफी 32:5 (मॉरमन की पुस्तक)

3 नफी 27:20 (मॉरमन की पुस्तक)

प्रभुभोज का उद्देश्य क्या है ?

३ नफी 18:1–12 (मॉरमन की पुस्तक)

मरोनी 4–5 (मॉरमन की पुस्तक)

अन्त तक धीरज धरना इसका अर्थ क्या है ?

2 नफी 31:15–20 (मॉरमन की पुस्तक)

3 नफी 15:9 (मॉरमन की पुस्तक)

हमारे साथ आराधना

आओ और देखें कि कैसे सुसमाचार आपके जीवन को आशीषित कर सकता है

प्रभुभोज सभा मुख्य उपासना सभा है । यह लगभग एक घण्टे से थोड़ा ज्यादा समय की होती है और इसमें प्रायः निम्नलिखित सम्मलित होते हैं :

स्तुतिगीत : कलीसिया द्वारा गाया जाता है । (स्तुतिगीत किताबें उपलब्ध की जाती हैं ।)

प्रार्थनाएं : स्थानीय गिरजाघर के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं ।

प्रभुभोज : कलीसिया को यीशु मसीह के प्रायश्चित का स्मरण करने के लिए रोटी और पानी को आशीषित करके बांटा जाता है ।

वक्ता : कलीसिया के एक या दो सदस्यों को सुसमाचार के विषय में बोलने के लिए पहले से नियुक्त किया जाता है ।

पोशाक : पुरूष और युवक हमेशा सूट या अच्छी पेन्ट के साथ कमीज और टाई पहनते हैं । महिलाएं और लड़कियां अन्य पोशाक या स्कर्ट पहनती हैं ।

उपासना सभा के दौरान दान की आवश्यकता नहीं होती है ।

हम आपको अतिरिक्त सभाओं में, आपके रुचि और आयु के अनुसार भाग लेने के लिए भी आमंत्रित करते हैं । इन सभाओं के क्रम और उपलब्धता में अन्तर हो सकता है ।

रविवार विद्यालय : धर्मशास्त्रों और सुसमाचार के सिद्धान्तों के अध्ययन के लिए कक्षाएं ।

पौरोहित्य सभाएं : पुरूषों और 12 वर्ष और उससे बड़े लड़कों के लिए कक्षाएं

सहायता संस्था : 18 वर्ष और उससे बड़ी स्त्रियों के लिए कक्षाएं ।

युवतियां : लड़कियों के लिए कक्षाएं वर्ष 12 से 18 तक ।

प्राथमिक : समुह सभा और कक्षाएं 3 से 11 की आयु के बच्चों के लिए । 18 माह से 3 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए अक्सर नर्सरी उपलब्ध होती है ।

प्रभुभोज सभा का समय : _____

चैपल का पता : _____

_____

मुझे क्या करना चाहिए ?

- मॉरमन की पुस्तक को पढ़ें ।
  प्रस्तावित अध्ययन : _____
  _____
  _____
  _____
- प्रार्थना करके जानें कि यीशु मसीह हमारा उद्धारकर्ता है ।
- अपने पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप और प्रार्थना करें । परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार जीवन जीने का प्रयास करें ।
- गिरजाघर जाएं ।
- को बपतिस्मे के लिए तैयार रहें _____
- यीशु मसीह का सुसमाचार की पुनस्थापना के विषय में अधिक जानने के लिए www.mormon.org पर जाएं ।
- जिन सच्चाइयों को परमेश्वर ने आधुनिक दिनों के भविष्यवक्ताओं द्वारा पुनःस्थापित किया है उनके विषय में अधिक जानने के लिए प्रचारकों के साथ भेंट करना जारी रखें । : _____

  प्रचारकों के नाम और फोन नम्बर :
  _____
  _____
  _____

अन्तिम-दिनों के सन्तों का
यीशु मसीह
का गिरजाघर

www.mormon.org

चित्र श्रेय
मुख्य पृष्ठ: *जीवन जल* से आकृति, साइमन डीयु द्वारा । © साइमन डीयु । प्रति न बनाएं
पृष्ठ 2: *पहाड़ी पर उपदेश* से आकृति, कार्ल हेनरिक ब्लॉक द्वारा । हिलरोड में फेडरिक्सबर्ग, डेनमार्ग, राष्ट्रीय ऐतिहासिक संग्राहलय की अनुमति द्वारा प्रयोग किया गया ।
पृष्ठ 5: *मसीह ने याईर की पुत्री को जीवित करते हुए,* ग्रेग के. ओल्सन द्वारा । © ग्रेग के. ओल्सन
पृष्ठ 6: *विनम्र बगांई करने वाला,* ग्रेग के. ओल्सन द्वारा । प्रति न बनाएं
पृष्ठ 9: *यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला का यीशु को बपतिस्मा देना,* ग्रेग के. ओल्सन द्वारा । प्रति न बनाएं
पृष्ठ 12, 16, 22, 23: स्टीव बुंडरसन द्वारा ।

© 2005 by Intellectual Reserve, Inc द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी ।
अंग्रेजी अनुमति: 11/05 । अनुवाद अनुमति: 11/05 । *The Gospel of Jesus Christ* का अनुवाद । Hindi 01190 294